[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No. .....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. Of Question Paper : 6408

Unique Paper Code : 12101601_OC
Name of the Paper : Philosophy of Religion (Indian and western)
Name of the Course : B.A. (H) Philosophy
Semester : VI

Duration : 3.5 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for the candidates

a) Write your roll number on top immediately on receipt of this question paper.
b) Attempt **any five** questions.
c) All questions carry equal marks.
d) Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be followed throughout the paper.

उम्मीदवारों के लिए निर्देश

a) इस प्रश्न पत्र की प्राप्ति पर अपना रोल नंबर ऊपर लिखें।
b) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
c) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
d) उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक माध्यम में लिखे जा सकते हैं; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम समान होना चाहिए।

Q1. Delineate the salient features of Religion. How would you distinguish it from Theology?

धर्म की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। आप इसे धर्मशास्त्र से कैसे अलग करेंगे?

Q2. Give an account of the concept of Dharma as discussed in Purva-mimamsa.

पूर्व-मीमांसा में वर्णित धर्म की अवधारणा का विवरण दीजिए।

Q3. Explain and examine the Cosmological argument for the existence of God.

ईश्वर के अस्तित्व के लिए ब्रह्माण्ड संबंधी तर्क की व्याख्या और परीक्षण करें।

Q4. Explain the concept of religious tolerance. What is its importance in a pluralistic society?

धार्मिक सहिष्णुता की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। बहुलवादी समाज में इसका क्या महत्व है।

Q5. How William James explains" Religious Experience as the root of Religion".
विलियम जेम्स कैसे बताते हैं "धार्मिक अनुभव धर्म की जड़ के रूप में"।

Q6. Describe the notion of bhakti in detail
भक्ति की धारणा का विस्तार से वर्णन करें

Q7. Discuss how Richard Dawkins considers the relation between Science and Religion
चर्चा करें कि रिचर्ड डॉकिन्स अपनी पुस्तक द गॉड डेल्यूजन में विज्ञान और धर्म के बीच के संबंध को कैसे देखते हैं।

Q8. Write short notes
(a) Sankaras concept of Braham.
(b) Theory of Karma.

संक्षिप्त नोट्स लिखें
(a) शंकर की ब्रह्म की अवधारणा।
(b) कर्म का सिद्धांत।